भारतीय जनता पार्टी
(केंद्रीय कार्यालय)
6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

02 अप्रैल 2026, गुरुवार

<u>केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा असम के कलियाबोर में आयोजित विशाल जनसभा में दिए गए संबोधन के मुख्य बिंदु</u>

भाजपा सरकार ने कांग्रेस द्वारा घुसपैठियों के हवाले किए गए काजीरंगा को मुक्त कराया।

असम में भाजपा का 10 साल का शासन असम का स्वर्णिम कालखंड रहा है।

मोदी जी ने 13 शांति समझौते करके 10 हजार से ज्यादा युवाओं को हथियार डालकर मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया।

देश को प्रधानमंत्री देने वाले असम को कांग्रेस ने 10 वर्षों में 1 लाख 28 हजार रुपये दिए, मोदी जी ने 9 लाख 35 हजार करोड़ रुपये दिये।

मोदी सरकार ने असम में एशिया का सबसे बड़ा बोगीबील ब्रिज, सेमीकंडक्टर कारखाना सहित कई ऐतिहासिक कार्य किये।

मोदी जी ने IIM, AIMS भी बनाया और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव जी के जन्मस्थान पर 222 करोड़ से पुनर्विकास भी किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुरुवार को असम के कलियाबोर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में असम में अभूतपूर्व विकास हुआ है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, निवेश और शांति

स्थापना के क्षेत्र में व्यापक प्रगति हुई है। काजीरंगा के संरक्षण, पर्यटन के विस्तार और सांस्कृतिक गौरव को भी नई मजबूती मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने असम की लगातार उपेक्षा की। श्री शाह ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे भाजपा और एनडीए के सभी प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटें और विश्वास जताया कि जनता के समर्थन से असम में शांति, विकास और सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ाते हुए एनडीए एक बार फिर सरकार बनाएगा। कार्यक्रम के दौरान मंच पर असम गण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान अतुल बोरा, काजीरंगा से लोकसभा सांसद श्री कामाख्या प्रसाद तासा, छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओम प्रकाश चौधरी, असम भाजपा के प्रभारी श्री हरीश द्विवेदी, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य तथा कलियाबोर से एनडीए और असम गण परिषद के प्रत्याशी श्री केशव प्रसाद मोहंता सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 9 अप्रैल को असम में मतदान होना है और तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी तथा असम गण परिषद की सरकार बनाने का समय है। यह विजय की हैट्रिक कलियाबोर के साथ-साथ पूरे असम की जनता लगाएगी। यहाँ से एनडीए के प्रत्याशी के रूप में असम गण परिषद के नेता श्री केशव मोहंता चुनाव लड़ रहे हैं, जिनका निशान श्री गणेश का प्रतीक हाथी है। एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को कमल के फूल से भी अधिक मेहनत हाथी के निशान को जिताने के लिए करनी है। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में श्री केशव मोहंता ही हैं। श्री हिमंता बिस्वा सरमा, श्री अतुल बोरा और श्री केशव मोहंता ने इन पाँच वर्षों में असम में बड़ा परिवर्तन लाया है। इससे पहले के पाँच वर्षों में श्री सर्वानंद सोनोवाल, श्री अतुल बोरा और श्री केशव मोहंता भी साथ थे। पिछले दस वर्ष असम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखे जाएंगे। यहाँ पास ही काजीरंगा स्थित है, जिसके गैंडे पूरे विश्व से असम में पर्यटन आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। कांग्रेस की सरकारों ने काजीरंगा को घुसपैठियों के हवाले कर दिया था, जबकि भारतीय जनता पार्टी और असम गण परिषद की सरकार ने काजीरंगा की भूमि को मुक्त कराकर असम के सम्मान के प्रतीक गैंडों को सुरक्षित किया और पर्यटन को बढ़ावा देने का कार्य किया है।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी असम के विकास के लिए कुछ नहीं किया। राहुल गांधी भी यहाँ आए थे और बड़े जोर-शोर से बोल रहे थे कि यह हो गया, वह हो गया। राहुल गांधी बताएं, 15 साल तक उनकी सरकार रही, असम के लिए उन्होंने क्या किया? 2004 से 2014 तक असम में कांग्रेस की सरकार रही और केंद्र में भी डॉ. मनमोहन सिंह जी की सरकार थी, ऊपर और नीचे दोनों जगह कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद असम के विकास के लिए केवल 1 लाख 28 हजार करोड़ रुपये दिए गए। असम ने देश को प्रधानमंत्री दिया, फिर भी उस प्रधानमंत्री ने असम को सिर्फ 1 लाख 28 हजार करोड़ रुपये ही दिए। हमारे नेता आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 से 2024 के बीच इन्हीं 10 वर्षों में असम को 9 लाख 78 हजार करोड़ रुपये देने का काम किया। असम में 1 लाख 35 हजार करोड़ रुपये के इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य हुए, 30 हजार करोड़ रुपये से सड़कों का निर्माण हुआ, 95 हजार करोड़ रुपये रेलवे पर खर्च किए गए और 10 हजार करोड़ रुपये से एयरपोर्ट बनाए गए। इसके साथ ही 9 मेडिकल कॉलेज, कई इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित किए गए और लाखों-करोड़ों रुपये का निवेश असम में लाने का काम मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। 22 हजार करोड़ रुपये की लागत से मेघालय से असम को जोड़ने वाली सड़क बनाई गई, 18 हजार करोड़ रुपये से गोपुर-नुमालीगढ़ कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड रोड का निर्माण हुआ, भारतमाला परियोजना के तहत 443 किलोमीटर सड़क बनाई गई और 3700 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें तैयार की गईं। एशिया का सबसे बड़ा बोगीबील ब्रिज, जिस पर रेल और सड़क दोनों का संचालन होता है, इसी कालखंड में बनाया गया। ब्रह्मपुत्र नदी पर धुबरी-फुलबारी के बीच 6000 करोड़ रुपये का पुल बनाया गया, ढोला-सादिया पुल 2000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ और गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र के दोनों किनारों को जोड़ने वाला 6 लेन का पुल बनाने का कार्य भी जारी है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार ने जलमार्ग बनाए और पर्यटन के लिए अनेक कार्य किए। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश से सेमीकंडक्टर कारखाना असम में लेकर आए। असम कौशल विद्यालय की स्थापना, तामुलपुर मेडिकल कॉलेज, धुबरी मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़ में 180 करोड़ रुपये से क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र, 122 करोड़ रुपये

से पाथरकंडी कृषि महाविद्यालय तथा 1100 करोड़ रुपये से 750 बिस्तरों वाले एम्स (AIIMS) के निर्माण का कार्य भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। इसके साथ ही असम में आईआईएम (IIM) की स्थापना भी की गई। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान बटद्रवा थान में 222 करोड़ रुपये की पुनर्विकास योजना के तहत एक विशाल सत्र का निर्माण कराया गया। कांग्रेस ने केवल घुसपैठियों को बढ़ावा दिया। भारतीय जनता पार्टी घुसपैठियों के खिलाफ है। असम की संस्कृति को सुदृढ़ रखने के लिए असम आंदोलन के सभी शहीदों के सम्मान में गुवाहाटी में एक विशाल स्मारक बनाया गया। साथ ही लचित बरफुकन की 85 फुट ऊँची प्रतिमा स्थापित की गई और उनके जीवन चरित्र का 21 भाषाओं में अनुवाद कर हिमालय से केरल तथा द्वारका से कामाख्या तक पहुंचाने का कार्य भारतीय जनता पार्टी ने किया। कांग्रेस ने न तो गोपीनाथ बारदोलोई जी को भारतरत्न दिया और न ही महान संगीतकार भूपेन हजारिका को दिया। भूपेन हजारिका को भारतरत्न देने का कार्य यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। असमिया भाषा को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा दिया गया और पूरे असम में सड़क, जलमार्ग और बंदरगाह बनाकर विकास के नए रास्ते खोले गए। 13 से अधिक समझौते किए गए, जिससे जो असम पहले बम धमाकों और गोलीबारी के लिए जाना जाता था, वहाँ आज शांति स्थापित करने का कार्य आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। 10 हजार से अधिक युवाओं को हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लाने का कार्य एनडीए सरकार ने किया है।

श्री शाह ने कहा कि असम गण परिषद और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन सूरज और चंद्रमा जितना निश्चित है। कांग्रेस के लोग यह अफवाह फैलाते हैं कि असम गण परिषद और भाजपा का गठबंधन लंबा नहीं चलेगा, लेकिन राहुल गांधी को मुंगेरीलाल के सपने देखने की आवश्यकता नहीं है, यह गठबंधन पिछले 10 वर्षों से सफलतापूर्वक चल रहा है और आगे भी 15 वर्षों तक हाथी और कमल साथ-साथ चलते रहेंगे। श्री शाह ने भारतीय जनता पार्टी, असम गण परिषद और एनडीए के सभी सहयोगी दलों से आह्वान किया कि जहाँ हाथी का चिन्ह हो, उसे कमल मानकर और जहाँ कमल हो, उसे हाथी मानकर आगे बढ़ना है। अगले पाँच वर्षों के लिए पुनः एनडीए की सरकार बनानी है। श्री हिमंता बिस्वा सरमा को फिर से मुख्यमंत्री बनाना है और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के हाथों को

और अधिक मजबूत करना है। कलियाबोर की जनता प्रचंड बहुमत से श्री केशव मोहंता को विजयी बनाएगी और पिछली बार से दोगुनी बढ़त के साथ उन्हें विधानसभा भेजेगी। आने वाले पाँच वर्ष असम और विशेष रूप से असम के युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यही युवा न केवल असम बल्कि भारत के भविष्य का निर्माण करेंगे। श्री अमित शाह ने कहा कि चुनाव के बाद आने वाले बिहू पर्व को कमल और हाथी की विजय के साथ उत्साहपूर्वक मनाने के लिए असम के लोगों को तैयार रहना है।

****